



Nimesh kumar Rathor

18 Jan 1974

Model: Numerology-Report

Order No: 121850201

अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 121850201

Date: 07/04/2026

नाम	Nimesh kumar Rathor
जन्म तिथि	18/01/1974
मूलांक	9
भाग्यांक	4
नामांक	5
मूलांक स्वामी	मंगल
भाग्यांक स्वामी	हर्षल/राहु
नामांक स्वामी	बुध
मित्र अंक	3, 6, 4
शत्रु अंक	1, 7
सम अंक	2, 5, 8
मुख्य वर्ष	1989,1998,2007,2016,2025,2034,2043,2052
शुभ आयु	15,24,33,42,51,60,69,78
शुभ वार	मंगल, बुध, शुक्र
शुभ मास	मार्च, जून, सित
शुभ तारीख	9, 18, 27
शुभ रत्न	मूंगा
शुभ उपरत्न	संगमूंगी
अनुकूल देव	हनुमान
शुभ धातु	ताम्र
शुभ रंग	रक्त
मंत्र	ॐ सां सीं सौं सः केतवे नमः
शुभ यंत्र	केतु यंत्र

14	9	16
15	13	11
10	17	12

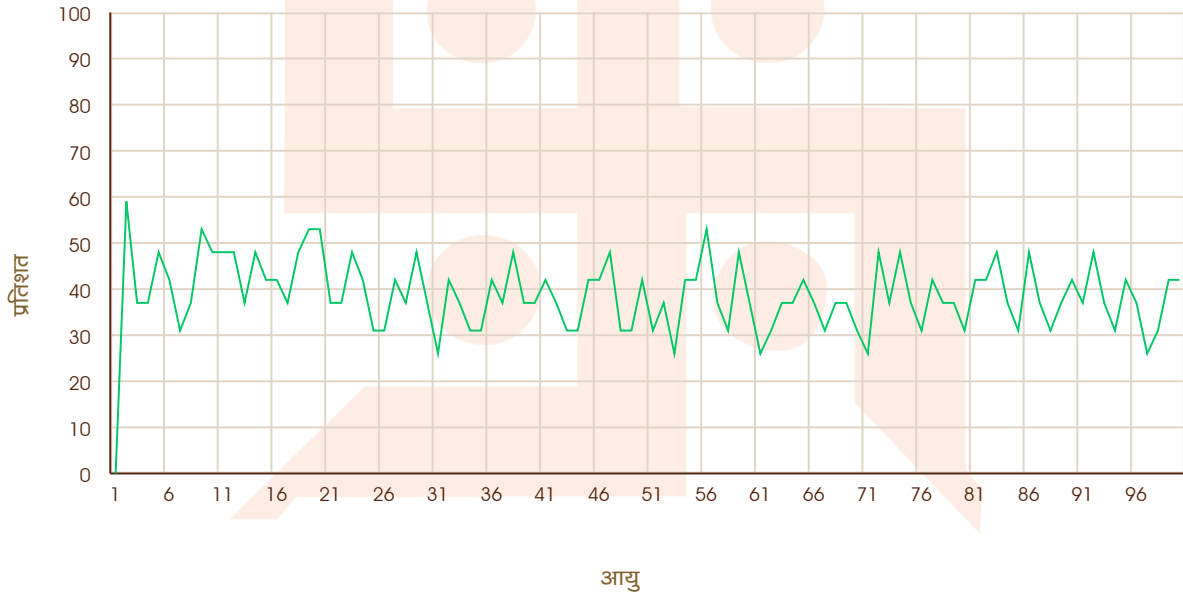
Ankijotish Insights

Hyderabad Telangana India

7995233535

अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंको से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 1989,1998,2007,2016,2025,2034,2043,2052

शुभ आयु 15,24,33,42,51,60,69,78

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 18 है। एक एवं आठ के योग से आपका मूलांक 9 बनता है। मूलांक नौ का स्वामी मंगल है। एक का सूर्य तथा आठ का शनि। इन तीनों ही ग्रहों का प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में आपके जीवन में आयेगा। मूलांक नौ के प्रभाव से आप एक साहसी व्यक्ति रहेंगे तथा साहस भरे कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। जब कभी आप दुःसाहसी होंगे तब आपको हानि उठानी पड़ेगी।

आप अनुशासन पसन्द करेंगे। कार्यक्षेत्र में अपना एकाधिकार या प्रभुत्व चाहेंगे तथा ऐसे कार्यों में आपकी विशेष रुचि रहेगी जहाँ आप स्वतंत्र रूप से मुखिया की भूमिका निभायेंगे। आपके स्वभाव में फुर्तीलापन एवं जल्दवाजी होगी। आप चाहेंगे कि हर कार्य शीघ्र एवं फुर्ती से हो। इसमें व्यवधान आने पर आपका क्रोध बढ़ेगा क्योंकि रुकावटों को आप बर्दाश्त नहीं कर पायेंगे।

एक अंक का स्वामी सूर्य एवं आठ अंक का स्वामी शनि होने से हर सफलता के मध्य अवरोध, रुकावटें आयेंगी। जिनसे आपकी तेज बढ़ती उन्नति में ब्रेक लगेगा तथा आपकी महत्वाकांक्षा देर से पूरी होगी। इससे कई योजनायें शुरू होने के बाद रुक जायेंगी या धीमी गति को प्राप्त करेंगी। जिसमें आपका तन-मन-धन तीनों का व्यय होगा। आपको खुशामदी, चापलूस व्यक्तियों से हानि मिलेगी। अतः ऐसे व्यक्तियों से सावधान रहें जो आपकी अत्यधिक चापलूसी करें।

मंगल का मूलांक होने से आपको अपने जीवन में काफी संघर्ष करना पड़ेगा एवं जो भी सफलता मिलेगी वह कड़ी मेहनत, भाग-दौड़ के बाद ही प्राप्त होगी। मंगल, सूर्य, शनि के संयुक्त प्रभाववश आपका जीवन विध्वन-बाधाओं, कठिनाईयों, आलोचनाओं को पार कर स्वयं की मेहनत एवं लगन द्वारा उच्चता के शिखर पर पहुँचेगा।

भाग्यांक चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु एवं पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह को माना गया है। हर्षलग्न के प्रभाव से आपका भाग्योदय अचानक होगा। आपके जीवन में कई कार्य ऐसे होंगे जिनमें अथक परिश्रम के बाद चाही गई अवधि में सफलता न मिले और कार्य रुक जायें। लेकिन एक दिन अचानक ही ऐसे कार्य बन भी जाया करेंगे। आप अपने कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के हिमायती होंगे एवं पुरानी मान्यताओं में परिवर्तन करते रहना आपकी आदत में शुमार होगा। आप रुढ़ि वादिता से थोड़े दूर तथा आधुनिक होंगे।

ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा एवं ऐसे कार्यों को संपादन करने में आनन्द आयेगा जिन्हें अन्य जन दुष्कर समझेंगे। आपके कार्यों में विस्फोटकता रहेगी तथा आप अचानक चर्चित होंगे। लेकिन यह स्थायित्व नहीं ले सकेगा। बार-बार का परिवर्तन आपकी उन्नति में बाधक रहेगा। अचानक सफलता या असफलता से आपको सबक लेना होगा कि भाग्य आपका परिवर्तनशील है। अतः आपको अधिक विस्फोटक, जोखिम युक्त कार्यों से दूर रहना या सोच-समझकर कार्य करना भाग्य वृद्धि कारक रहेगा।

आपका मूलांक 9 है तथा भाग्यांक 4 है। मूलांक 9 का स्वामी मंगल है तथा भाग्यांक 4 का स्वामी हर्षल है। मूलांक 9 एवं भाग्यांक 4 के बीच सम संबंध है। इसके प्रभाववश आपको मूलांक एवं भाग्यांक के मिलेजुले फल प्राप्त होंगे। कभी आपका मूलांक साथ देगा, तो कभी आपका भाग्यांक साथ देगा। आप ऐसा ही रोजगार-व्यापार पसंद करेंगे, जिसमें धनार्जन साहस भरे कार्यों से होता रहे। जोखिम भरे कार्य एवं चुनौती से परिपूर्ण कार्यों की ओर आपका स्वाभाविक रुझान रहेगा। आप अपने कार्यक्षेत्र में एक मुखिया की तरह से कार्य संपन्न करेंगे। आपका रुझान विशेष तौर पर ज्ञान-विज्ञान अथवा तकनीकी क्षेत्रों की ओर रहेगा। यदि आप तकनीकी क्षेत्र में कार्य करते हैं, तो आपको उच्च कोटि की सफलताएं प्राप्त होंगी। आप युवा अवस्था से जीविकोपार्जन हेतु धन कमाना प्रारंभ कर देंगे तथा प्रौढ़वस्था तक आपकी आर्थिक स्थिति काफी अच्छी हो जाएंगी। आपको भूमि-संपदा जीवन के मध्य भाग में प्राप्त होगी एवं आप इनका भरपूर सुख भोगेंगे। आपकी सामाजिक स्थिति अच्छी बनेगी तथा समाज में आपको समयोचित मान-सम्मान की प्राप्ति होती रहेगी।

आपका भाग्योदय 22 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ होगा तथा 31 वर्ष की अवस्था से आपको विशेष उन्नति प्राप्त होगी एवं 40 वर्ष की अवस्था पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 9 की 3 एवं 6 से मित्रता है तथा भाग्यांक 4 की 1 एवं 8 से मित्रता है। अतः आपके जीवन में 1, 3, 4, 6, 8, 9 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे तथा इनसे आपके जीवन में प्रमुख घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक का आपके भाग्यांक से सम संबंध होने से मूलांक-भाग्यांक के प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में आपके अनुरूप जाएंगे। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन, या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए जनवरी, मार्च, अप्रैल, जून, अगस्त, सितंबर, माह विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब तारीख, दिन, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक से मेल स्थापित करें तथा एक ही समय पर दोनों शुभ रहें।

मूलांक 9 एवं भाग्यांक 4 के प्रभाववश, जिनका योग 1, 3, 4, 6, 8, 9 होता है, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 1, 3, 4, 6, 8, 9 होता है, आपके लिए विशेष शुभ फलदायक रहेंगे।

- 1 . 10, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73
3 . 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75
4 . 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67
6 . 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69
8 . 17, 26, 35, 44, 53, 62, 71
9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ विशेष महत्वपूर्ण घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार बनेंगी।



नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

Nimesh kumar Rathor
5+1+4+5+3+5 2+6+4+1+2 2+1+4+5+7+2
नाम का योग : 59 नामांक : 5

आपके नाम का कुल योग उनसठ है। पाँच एवं नौ के योग से चौदह तथा एक एवं चार के योग से पाँच आपका नामांक होता है। पाँच का स्वामी बुध एवं नौ का स्वामी मंगल है। बुध के प्रभाव से आप स्वयं का रोजगार करना पसंद करेंगे। आपके अंदर दिमागी ताकत अधिक होने से आपको स्नायुवेग द्वारा उत्पन्न रोगों का सामना करना पड़ सकता है। मंगल प्रभाव से आप एक अनुशासन प्रिय व्यक्ति होंगे। आप सदैव नायक अथवा मुखिया की भाँति जीवन यापन करना पसंद करेंगे। आप जो भी कार्य करेंगे उसे शीघ्र पूरा करने की आपकी कोशिश रहेगी। सामाजिक संगठनों में आप विशेष सेवा द्वारा कीर्ती एवं नाम स्थिर रखने में सफल होंगे। आप सदैव खुशामदी एवं चापलूस लोगों से सावधान रहें, ऐसे व्यक्ति आपको हानि पहुँचा सकते हैं। बुध ग्रह बुद्धि का दाता होने से आपका बुद्धि चातुर्य काफी अच्छा रहेगा एवं अपने बुद्धि बल से आप सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगे।

आपका नामांक 5 आपके मूलांक 9 से मित्र संबंध रखता है लेकिन आपके भाग्यांक 4 से इसका शत्रु संबंध है। अतः आपको अपने जीवन में मूलांक एवं मूलांक के मित्र अंको का पूरा योगदान प्राप्त होगा। लेकिन भाग्यांक एवं भाग्यांक के मित्र अंको का आपको पूर्ण फल प्राप्त नहीं होगा। अतः आपका नाम आपके लिए अहितकर हो सकता है। यदि आप अपने नाम का अच्छा फल पाना चाहते हैं तो आपको अपने नाम में परिवर्तन करना लाभप्रद रहेगा। आप ऐसे नाम का चुनाव कीजिये जोकि आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों से ही मिलान करे। अतः आप अपने नाम में इस प्रकार परिवर्तन कर सकते हैं जिससे कि भाग्यांक के आपको अच्छे फल प्राप्त हों तो ऐसा नाम आपकी रुकी हुई प्रगति के द्वार खोलेगा तथा आप पूर्ण रूपेण सांसारिक सफलताएं अर्जित करेंगे।

अतः आप ऐसे नाम का चुनाव करें जिसका नामांक आपके मूलांक तथा भाग्यांक से मिलान करे एवं उसका नामांक 9 आता हो और 5 न हो तो ऐसा नाम आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा तथा आपकी उन्नति में चार-चांद लगायेगा। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 6,8,4 अंक अच्छे रहेंगे तथा 7,1,3 अंक ठीक नहीं रहेंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि

उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

1 2 3 4 5 8 3 5 1 1 2 3 4 5 7 8 1 2 3 4 6 6 6 5 1 7

उदाहरणार्थ:-

एक अंक घटना:-	GANESHA $3+1+5+5+3+5+1=23=5$	GANESH $3+1+5+5+3+5=22=4$
एक अंक :-	RAM $2+1+4=7$	RAMA $2+1+4+1=8$
दो अंक :-	BINDRA $2+1+5+4+2+1=15=6$	BRINDRA $2+2+1+5+4+2+1=17=8$
तीन अंक :-	RAMCHAND $2+1+4+3+5+1+5+4=25=7$	RAMCHANDRA $2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28$
चार अंक :-	KRISHNA $2+2+1+3+5+5+1=19=1$	KRESHNA $2+2+5+3+5+5+1=23=5$
पाँच अंक :-	TEWARI $4+5+6+1+2+1=19=1$	TIWARI $4+1+6+1+2+1=15=6$
छः अंक :-	AGGARWAL $1+3+3+1+2+6+1+3=20=2$	AGARWAL $1+3+1+2+6+1+3=17=8$

लोशु फल

4 4 4	9 9 9	2 7 7
8 8	1 1 1 1	6

लोशु चार्ट का परिचय

लोशु चार्ट चीनी अंक शास्त्र का एक अहम भाग है। यह चमत्कारी लक्ष्मी यन्त्र पर आधारित है। इस पद्धति के द्वारा हम किसी भी व्यक्ति की सिर्फ जन्मतिथि जानकर ही बड़ी सरलता व शीघ्रता से उसके संपूर्ण व्यक्तित्व को समझ लेते हैं। इस पद्धति के द्वारा हम उस व्यक्ति के चार्ट में अनुपस्थित अंकों के हानिकारक प्रभाव को दूर करने के उपाय भी बता सकते हैं। उपस्थित व अनुपस्थित अंकों की पक्तियां कालम व समूह व्यक्ति के विशेष व्यक्तित्व को बताने में सहायक होते हैं।

अंक 1 - तीन बार

आपके लोशु चार्ट में एक अंक तीन बार उपस्थित है। आप या तो बहुत अधिक बातें करते हैं, या कभी-कभी बिल्कुल शांत होकर, आत्ममंथन करना पसंद करते हैं। सच्चाई यह है कि वास्तव में आपके अंदर दोनों ही विशेषताएं होती हैं। परंतु आपके व्यक्तित्व का प्रदर्शन परिस्थिति पर निर्भर करता है। आपका प्रायः सभी से मिलाजुला संबंध होता है। न तो किसी से ज्यादा दोस्ती होती है और न ही शत्रुता का भाव। आप अपनी वाक्पटुता और व्यवहार से अपने साथी को खुश रखते हैं। दांपत्य जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए आप अपनी पत्नी की हर जरूरत का ध्यान रखते हैं। आप श्रेष्ठ बुद्धि के बल पर कार्यक्षेत्र में एक नया मुकाम हासिल करते हो। आप अपने लाभ के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है। आप निरंतर अपने काम में लगे रहते हैं और नये-नये परिवर्तन तथा आविष्कारों से अपने नाम को रौशन करने का

प्रयास करते हैं। आप हर काम करने से पहले कई बार सोचते हैं। आप अपने कामों में नवीनता लाने के लिए हमेशा प्रयासरत रहते हैं। आप नौकरी और व्यवसाय दोनों से लाभ प्राप्त कर सकते हैं। तीन बार 1 अंक वाले जातक प्रायः प्रसन्नचित एवं बहिर्मुखी होते हैं, और बहुत से प्रसिद्ध व्यक्तियों के चार्ट में यह संयोग होता है।

अंक 2 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 2 का अंक अनुपस्थित है, अतः आप में अंतर्ज्ञान व सूक्ष्म चेतना का अभाव होता है, आप अपनी बात आत्मविश्वास से नहीं कह पाते। फलस्वरूप आप अपनी निश्चल व शांत अंतरात्मा की आवाज को न मानकर कई गलतियां करेंगे, आप अधीर और समय के पाबंद नहीं होते। ऐसे जातकों में अपनी गलती मान लेने की बजाय अपने कार्य को सही ठहराने की प्रवृत्ति होती है, आपमें संवेदनशीलता नहीं होती है, और दूसरों की मदद नहीं कर पाते हैं, आपमें पूर्वाभास अंतर्ज्ञान शक्ति की कमी रहती है। आप अपने दिमाग को किसी चीज पर केंद्रित नहीं कर पाते, कोई भी निर्णय जल्दी नहीं ले पाते, आप दूसरों की भावनाओं की कदर भी नहीं करते हैं। आप अपने मन की बात न सुनकर छोटी-छोटी गलतियां करते रहते हैं, आत्म विश्वासहीनता व दूसरों पर विश्वास की कमी जैसी विशिष्टताओं से पीड़ित रहते हैं, आपको अपने मन पर काबू रखना चाहिए। दूसरों की भावनाओं की कदर करनी चाहिए, और अपनी गलती माननी चाहिए। ऐसे जातकों को चाहिए कि जीवन में समता हासिल करना सीखें।

अंक 3 - अनुपस्थित

लोशु चार्ट में अंक तीन की अनुपस्थिति हो तो गुरु जनों व ईश्वर की कृपा कम प्राप्त होती है। आत्मविश्वास की कमी रहती है, विचलित होने पर आप तार्किक रूप से नहीं सोच पाते, जिसके कारण आप स्वयं को व्यक्त करने में कठिनाई का अनुभव करते हैं। आपमें स्वयं की योग्यता को कम करके आंकने व स्वयं को न जताने की प्रवृत्ति भी होती है। विपत्ति के समय आप उचित प्रकार से सोच नहीं पाते और अधिक मेहनत करने के बाद उद्देश्य की प्राप्ति होती है। अपनी कल्पनाओं के अंदर खोये रहते हैं, अक्षर दूसरों के साथ अच्छे सम्बन्ध नहीं बना पाते, आप अधिक दूर की नहीं सोच पाते, आपकी मानसिक क्षमता कमजोर होती है। जिस कारण आपको अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। आपकी कल्पनाशक्ति और ज्ञान कम होता है। आपके पास दूरदर्शिता भी नहीं रहती, यह मानसिक, शारीरिक, और आर्थिक तंगी में हालत से लड़ नहीं पाते। आप जल्दी परेशान हो जाते हैं, आपकी अध्यात्म और ज्ञान के विषय में रुचि नहीं रहती। आपको आवश्यकता इस बात की है कि आप स्वयं को स्वीकार कर आगे बढ़ें और धीरे-धीरे आत्मविश्वास व आत्मसम्मान में बढ़ोतरी करें।

अंक 4 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में चार अंक दो बार उपस्थित है। अतः आप अनात्मवादी व पदार्थवादी उद्योगों में दूसरे क्रिया-कलापों की अपेक्षा अधिक रुचि लेते हो। अपने प्रबंधन चातुर्य के कारण आप जिस भी कार्य को प्रारम्भ करते हो, उसे पूर्ण करके ही छोड़ते हो भले ही वह कार्य कितना भी मुसकिल क्यों न हो। आप व्यवस्थित, शुद्धमति व यथार्थवादी हैं और आप में रचनात्मक क्षमता

है। हस्तकौशल में प्रवीणता के चलते नयनाभिराम वस्तुएं बनाना पसंद करते हैं। आप बुद्धिपरक, गणनात्मक, विश्लेषणात्मक, और वाणी प्रधान कार्यों में सफलता पाते हो। आपकी बौद्धिक क्षमता अच्छी होती है, जिससे कि आप अच्छे और बुरे में फर्क कर पाने में सफल होते हैं, आप अपने जीवन में अच्छे वक्ता, कवि और शिक्षक बनते हैं चित्रकला में निपुण होते हैं। आपको आलस्य से नफरत होती है, आपके काम पूर्ण रूप से व्यवस्थित एवं रचनात्मक होते हैं, आपको सौंपा गया कोई भी कार्य समय से पूरा होता है।

अंक 5 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 5 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप लक्ष्य निर्धारण में कठिनाई का अनुभव करते हैं, और आपमें बहुमुखी प्रतिभा व इच्छा शक्ति का अभाव होता है। आप वार्तालाप करने में असफल, पढ़ने में मन न लगाना व पैसे का अभाव बना रहता है। आप जल्दी ही धैर्य छोड़ देते हैं, सफलता भी आसानी से नहीं मिलती, क्योंकि इनका बात करने का ढंग अच्छा नहीं होता है। चोट-चपेट और दुर्घटनाओं का दुर्योग बनता है। शस्त्राघात व दुर्घटना की संभावना जीवन में हमेशा रहती है। आपको हमेशा ही वाहन आदि सावधानी से चलने चाहिए। आपको अपने व्यक्तिगत जीवन में कई चुनौतियों और उतार-चढ़ावों का सामना करना पड़ता है। कई कार्यों में असफलता प्राप्त होती है, आपके पारिवारिक जीवन में उथल-पुथल मची रहती है। आपको दूसरों से सतत प्रेरणा की आवश्यकता होती है। ऐसे में आपको चाहिए कि यथार्थ लक्ष्य को निर्धारित करना सीखें, और उसे प्राप्त करने के पश्चात् ही अगले लक्ष्य कि ओर बढ़ें। अंक पांच की चार्ट में अनुपस्थिति सामान्य है।

अंक 6 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 6 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप स्वयं में आत्म-समर्पण की भावना उत्पन्न करें, आपमें अपनी अन्तर्भावनाओं को दूसरों से छिपाकर रखने की प्रवृत्ति होती है। इस प्रवृत्ति का कारण होता है, अपने माता अथवा पिता के साथ जीवन के प्रारम्भ में अच्छे सम्बन्ध, फलस्वरूप आपको तब तक अपने संबंधों में अनिश्चतता का सामना करना पड़ता है। जब तक कि आप हृदय से उन्मुक्त व उदार होना नहीं सीख लेते हैं। चिंता और तनाव आप लोगों के लिए विषमताओं के कारण हो सकते हैं। पारिवारिक जीवन में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, आपको पारिवारिक सहयोग मिलने में परेशानी आती है। आपका भी बच्चों और परिवार के प्रति लगाव कम होता है, आप लोगों की मदद तो करते हैं। लेकिन खुद के लिए मदद नहीं मिलती, दोस्तों की मदद नहीं मिलती, आपको भौतिक तथा पारिवारिक सुख व भोग विलास की कमी रहती है। आप जीवन के सकारात्मक पक्ष की अपेक्षा नकारात्मक पक्ष की ओर अधिक ध्यान देते हैं। आपको कभी भी विदेश से सम्बंधित काम नहीं करना चाहिए।

अंक 7 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में सात अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप प्रेम, स्वास्थ्य अथवा संपत्ति खोकर जीवन का गूढ़ अनुभव प्राप्त करते हैं, कड़वे अनुभवों से सिखने के कारण आपका झुकाव अधिकाधिक आध्यात्मिक अथवा आत्म-ज्ञान की ओर हो जाता है। आप आंतरिक बातों को

समझने में स्वयं को असमर्थ पाते हैं। आपके शरीर के निचले अंगों में चोट लगने अथवा रोग की प्रायः संभावना रहती है। आप किसी भी कार्य को स्वयं करने में समर्थ होते हैं। आप अव्यवहारिक, अत्यधिक कल्पना, और भयभीत रहते हो, जिस कारण आपको रोजमर्रा की जिंदगी में अच्छी तरह से काम करना मुश्किल हो जाता है। कई बार आपकी अत्यधिक स्पष्टवादिता एवं अपनी पहचान का अहम कई बार आपको दूसरों का गुलाम बना देता है। आपकी स्मरणशक्ति कमजोर होती है, इस कारण आप दैनिक जीवन के कार्यों में कठिनाता का अनुभव करते हैं।

अंक 8 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में आठ अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप न्यायवर्ती, विधिपूर्वक कार्य करने वाले व विवरण संपादन के लिए उपयुक्त होते हैं, लेकिन यह आश्चर्य की बात है, कि आप हाथ में लिए कार्य पूर्ण नहीं कर पाते। आप चपल बुद्धि के स्वामी होते हैं, और नित्य नए विषम कार्य दूढ़ते है। आपमें एकाग्रता की कमी होती है, और जीवन में बड़ा संघर्ष करना पड़ता है। फिर भी जीवन में अधिक सफल नहीं हो पाते हैं, इसलिए ये एकाकीपन का अनुभव करते हैं। आपमें बाहरी प्रदर्शन नहीं होता, इसलिए समाज आपको कठोर एवं रूखे हृदय का मानता है। आप अपने मर्जी के मालिक होते हैं तथा कई बार असामान्य व्यवहार प्रदर्शित करते हैं। यदि आप सही रूप में शिक्षित तथा आत्मनियंत्रित नहीं होते तो आप जल्दबाजी में काम करते हैं। जिससे बाद में आपको पछताना पड़ता है, आपके कामों में कई बाधाएं भी आती हैं, और कार्य विलम्ब से पुरे होते हैं।

अंक 9 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में नौ अंक दो बार उपस्थित है। अतः आप आदर्शवादी, बुद्धिमान परन्तु कभी कभी दूसरों के लिए समस्याजनक होते हैं लेकिन आप अत्यधिक बुद्धिमान होते हैं। अतएव कभी कभी ऐसे लोगों को हेय दृष्टि से देखते हैं जो उन जैसे बुद्धिमान नहीं हैं। आप खास तौर पर उन कार्यों में सफल होते हैं, जहाँ कल्पनाशीलता, कलात्मकता, एवं रचनात्मकता की आवश्यकता होती है। कभी कभी बिना किसी उद्देश्य एवं स्वार्थ के काम करने वाले, यह लोग मानवता की सच्ची सेवा करने वाले होते हैं। आपको अच्छे अवसर प्राप्त होते हैं तथा दूसरों की सहायता आपको प्राकृतिक रूप से मिलती रहती है। जिससे आपका जीवन तो सफल होता ही है, साथ ही यह दूसरों के लिए भी काफी उपयोगी होता है, प्रायः आप घर के बड़ों के प्रभाव में होते हैं, इसलिए यह आवश्यक है कि आप समाज के सब स्तरों के लोगों से सामान मेल-जोल रखें।

जल तत्त्व - अंक 1

आपके लोशु चार्ट में जल तत्त्व की उपस्थिति है। जल बुद्धि और ज्ञान का प्रतिनिधित्व करता है, जल लचीला है फिर भी मजबूत है, अभी भी बह रहा है। 1, अंक सूर्य से सम्बंधित है, जल शांत है फिर भी खतरनाक है। जल के लिए सतह केवल शुरुआत है, इसकी गहराई में छिपे वास्तविक चाल के साथ, जल तत्त्व वाले वे नहीं हैं, हालांकि आप अपनी खुद की कंपनी और आंतरिक प्रतिबिम्ब के लिए समय का आनंद लेते हैं। आप अक्षर शांत और शांति पूर्ण होते हैं, लेकिन

दूसरों को अभिभूत करने की एक बड़ी क्षमता होती है, आप निडर, साहसी व स्वाभिमानी भी होते हैं। नौकरी हो या व्यवसाय अपनी कड़ी मेहनत की बदौलत आप हमेशा उच्च शिखर पर पहुँचते हो, किसी भी कार्य को करने में आप निपुण हैं आप अपने जीवन को निष्पक्ष तरीके से देखते हैं।

खूबियां- आप राजनैतिक कार्यों में कुशल, परिवार, समाज, राष्ट्र आदि सभी का नेतृत्व करने की आपें क्षमता होती है। तेज़ नज़र, सहानुभूति और अच्छे मध्यस्थ, दृढ़, सहज और लचीला, कोमल लेकिन मजबूत, और आप दूरदर्शिता के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां - स्व कृपालु, बहुत निष्क्रिय, दूसरों पर बहुत ज्यादा भरोसा करना, दुविधा में पड़े रहना, चिंतित रहना आदि अवगुण होते हैं।

पृथ्वी तत्त्व - अंक 2, 5, 8

आपके लोशु चार्ट में पृथ्वी तत्त्व की उपस्थिति है। पृथ्वी स्थिर और मध्यस्थ होती है। यह एक प्राकृतिक जन्म शांति रक्षक होता है। पृथ्वी धैर्यवान, विचारशील और शांत होती है। जबकि पृथ्वी गर्म और पोषित होती है, यह आसानी से स्व-केंद्रित भी हो सकती है क्योंकि यह मानती है कि यह सब कुछ का केंद्र है। पृथ्वी सुरक्षात्मक है और वे उन जड़ों का प्रतिनिधित्व करती हैं। जो सब कुछ एक साथ रखती हैं, हालांकि, यह भी नियंत्रित हो सकती है। इस तत्त्व के लोग सहानुभूति की एक बड़ी मात्रा में होते हैं और खुद को लगातार दूसरों की खुशी के बारे में चिंतित पाते हैं। 2 अंक चन्द्रमा का है, 5 अंक बुध का और 8 अंक शनि से सम्बंधित है, ऐसे व्यक्ति धनाढ्य होते हैं, इनका अपना जमीन से जुड़ा हुआ मकान होता है।

खूबियां - ऐसे लोग स्थिर प्रवृत्ति के, गंभीर, व्यावहारिक, तार्किक, अनुकंपा, देखभाल, सहानुभूति, उत्तरदायी, वफादार होते हैं और ईमानदार, पोषण, संगठित व योजना बनाने में अच्छे, मजबूत और स्थायी होते हैं।

कमजोरियां - अतिसंरक्षित, जिद्दी, जन्मजात कंजूस, रुढ़िवादी, जोखिम लेने में परेशानी होती है।

काष्ठ तत्त्व - अंक 3, 4

आपके लोशु चार्ट में काष्ठ तत्त्व की उपस्थिति है। काष्ठ उदार और विशाल होती है और दूसरों की गहराई से देखभाल करती है। बांस के साथ, काष्ठमजबूत होती है। फिर भी लचीली होती है और एक प्राकृतिक जन्म से नेता भी है। इसकी जड़ें पृथ्वी में गहरी खुदाई करती हैं, हालांकि, काष्ठ को जीवित रहने के लिए नमी की भी आवश्यकता होती है। काष्ठ की विशेषताएं अक्सर कामुकता और धैर्य से जुड़ी होती हैं। हालांकि, इसे संतुलित करने के लिए, काष्ठ घुसपैठ और आक्रामक भी हो सकता है। 3, अंक गुरु से और 4 अंक राहु से सम्बंधित है। ऐसे व्यक्ति लगातार विस्तार और आगे बढ़ने की तलाश में होते हैं। जटिल से जटिल कार्य को करने में सक्षम होते हैं। अपने काम को आसानी से निकाल लेते हैं।

खूबियां- यह काफी चतुर होते हैं, इनमें अच्छी समझ, गर्म, मिलनसार, दयालु, लचीला और अनुकूलनीय, स्थिर और व्यावहारिक, उदार होते हैं।

कमजोरियां - सीमाओं या सीमाओं की अच्छी समझ नहीं है, बहुत ज्यादा निष्क्रिय हो जाते हैं, दूसरों पर बहुत अधिक भरोसा कर लेते हैं।

धातु तत्त्व - अंक 6, 7

आपके लोशु चार्ट में अंक 6, 7 धातु तत्त्व की उपस्थिति है। धातु खानों में पाया जाने वाला हीरा है, यह जीवन की सांस है, 6, 7 धातु तत्त्व से सम्बंधित लोग स्वयं का सम्मान करते हैं, और दूसरों का भी सम्मान करते हैं, 6, अंक शुक्र और 7, अंक केतु से सम्बंधित है। इस तत्त्व से प्रभावित लोग मजबूत और कठोर होते हैं, लेकिन दबाव डालने पर यह अनुकूल और बदल जाते हैं। धातु को अक्षर बिना पका हुआ, कठोर और निर्धारित किया जाता है। इस तत्त्व वाले लोग न्यूनतम होते हैं, संगठित और स्वच्छ जीवन की सादगी का आनंद लेते हैं, हालाँकि नकारात्मक पक्ष पर धातु भी शक्तिशाली और नियंत्रित हो सकती है, ये धातु पदार्थ है। वास्तव में आपके जीवन में जटिल या अनावश्यक भावना की आवश्यकता होती है।

खूबियां- आप साहसिक, महत्वकांक्षी, स्वतंत्र विचारधारा, निर्धारित लक्ष्य पर चलने वाले, अनुशासित, केंद्रित, उच्च नैतिकता और उच्च मानक के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां- संचार कौशल में कमी, जिद्दी, कभी-कभी अनुचित आंकना, क्रूर, निर्दयी, आसानी से संबंधों में कटौती, अतिसंवेदनशील, आदि अवगुण होते हैं।

अग्नि तत्त्व - अंक 9

आपके लोशु चार्ट में अग्नि तत्त्व की उपस्थिति है। आग हमेशा ऊपर की ओर निर्देशित होती है और इसकी ऊर्जा कभी समाप्त नहीं होती है। यह लगातार और मजबूत है, हालाँकि, यह फैलता भी है और आसानी से भटकता भी है। तत्त्व के रूप में आग के साथ रोमांचकारी साधक होते हैं, जो एक साहसिक क्षण से अगले तक घूमते हैं। आग अक्सर गर्मी, जुनून और बनाने की आवश्यकता से जुड़ी होती है। हालाँकि, रिवर्स साइड पर, यह आक्रामकता, अधीरता और विनाश से भी संबंधित हो सकती है। जबकि आग गर्मी और गर्मी प्रदान कर सकती है, यह जल भी सकती है। आग अपने आप नहीं हो सकती। हालाँकि यह उज्ज्वल और रोमांचक है। इसे संपन्न करने के लिए लकड़ी की स्थिरता की आवश्यकता है। 9 अंक मंगल से सम्बंधित है, इनका शरीर सुगठित, इनकी इच्छा शक्ति स्ट्रॉंग होती है, ये बहादुर, साहसी और पूरी शक्ति के साथ कार्य करने वाले होते हैं, इनमें निर्णय लेने की क्षमता अच्छी होती है।

खूबियां- आप भावुक और उत्साही, रचनात्मक, अनुशीलन और कश्मिर्माई, सहज और साहसी, हमेशा चुनौती को स्वीकार करने वाले, गर्मजोशी और दृढ़ संकल्प शक्ति वाले होते हैं।

कमजोरियां - ध्यान की लालसा, रोगी, जोड़ तोड़ करने वाले, झगड़ालू प्रवृत्ति के, मिजाज के अनुकूल, आक्रामक, आवेगी और अस्थिर, अकेले रहने वाले होते हैं।

अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

मंगल दिनांक 23 मार्च से 20 अप्रैल तक एवं 24 अक्टूबर से 21 नवंबर तक पाश्चात्य मत से, सूर्य मेष तथा वृश्चिक राशि में रहता है। भारतीय मत से यह समय 13 अप्रैल से 12 मई एवं 14 नवंबर से 14 दिसंबर होता है। मेष एवं वृश्चिक मंगल की अपनी राशियां हैं। दिनांक 14 जनवरी से 13 फरवरी तक सूर्य मकर राशि में रहता है, जो मंगल कि उच्च राशि है अतः उपर्युक्त समय मूलांक 9 के लिए कोई भी नया या महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए अधिक उपयुक्त रहता है।

अनुकूल दिवस

मंगलवार, शुक्रवार एवं गुरुवार आपके लिए ठीक दिन रहेंगे। आप यदि किसी भी कार्य को करते हैं तो इन्ही दिवसों में प्रारंभ करें और यदि इन दिवसों में अनुकूल तारीखें भी आ जाएं तो श्रेष्ठ फलदायक रहेगा।

शुभ तारीखें

आपके लिए किसी भी अंग्रेजी मास की 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 29 एवं 30 तारीखें अधिक अनुकूल रहेंगी। इन तारीखों में महत्वपूर्ण कार्य, रोजगार-व्यापार के कार्य, अधिकारी या विशिष्ट व्यक्तियों से संबंधित कार्य अथवा पत्र इत्यादि लिखना आपके लिए अधिक उपयुक्त तथा सफलतादायक होंगे।

अशुभ तारीखें

आपके लिए किसी भी अंग्रेजी माह की 1, 7, 10, 16, 19, 20, 25 एवं 28 तारीखें ठीक नहीं हैं। आपके लिए पत्र इत्यादि लिखना या दस्तावेज लिखने हेतु अथवा विशिष्ट अधिकारी से मिलने हेतु या कोई भी नया कार्य प्रारंभ करना हो तो इन तारीखों में प्रारंभ न करें।

मित्रता या साझेदारी

जिन व्यक्तियों का जन्म 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 तारीखों को अथवा 13 अप्रैल से 12 मई एवं 14 नवंबर से 14 दिसंबर तथा 14 जनवरी से 13 फरवरी के मध्य हुआ हो, ऐसे व्यक्तियों से आपकी मित्रता अच्छी रहेगी तथा रोजगार, व्यापार के क्षेत्र में भी आप उच्चता के शिखर पर पहुंचेंगे। ऐसे व्यक्ति आपके लिए विशेष फलदायी रहेंगे।

प्रेम संबंध एवं विवाह

मूलांक 3, 6, 9 वाली महिलाएं तथा जिनका जन्म 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 दिनाकों में हुआ हो पर वे आपके लिए विश्वसनीय सिद्ध होंगी। ऐसी स्त्रियों से ही आप प्रेम अथवा विवाह संबंध स्थापित कर सकते हैं जो आपके लिए शुभ फलदायी रहेगा।

अनुकूल रंग

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी, गहरा लाल होने के कारण आपको चाहिए की अपने घर में दीवारें, खिड़कियां, पर्दे आदि का चुनाव करते समय इन रंगों को ध्यान में रखें तथा यदि आपका स्वास्थ्य साथ नहीं दे रहा है तब आप इन रंगों का रुमाल बना कर अपने पास हमेशा रखें तथा कोई भी रोजगार-व्यापार संबंधी कार्य करते समय इन रंगों के वस्त्र धारण करना न भूलें, जो आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए अच्छा रहेगा।

वास्तु एवं निवास

आपके लिए दक्षिण दिशा उत्तमकारी है। अतः आपके लिए मकान या कॉम्प्लेक्स वही शुभ रहेगा जो दक्षिण में स्थित हो। अतः आप शहर की दक्षिण दिशा या भवन की दक्षिण दिशा का चुनाव कर सकते हैं एवं रोजगार-व्यापार की बैठक भी दक्षिण दिशा में रख सकते हैं, जो आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए अच्छा रहेगा। भवन के फ्लैट का क्रमांक का योग 3, 6 या 9 रखना लाभप्रद रहेगा।

शुभ वाहन नं

नये वाहन का पंजीकरण क्रमांक आपके मूलांक 9 या मूलांक के मित्र अंक 6 तथा 3 में से कोई एक लेना हितकर रहेगा, जैसे वाहन पंजीकरण क्रमांक 5238 = 9 इत्यादि होना चाहिए। यदि आप होटल में कमरा आदि बुक करते हैं, तो उसके लिए अंक 108 = 9 होना आपके लिए हितकर रहेगा। अथवा आप वाहन द्वारा यात्रा करते हैं, तो सीट इत्यादि क्रमांक आपके मूलांक या मित्र अंक भाग्यशाली अंक साबित होंगे। इन्हीं शुभ अंकों के प्रभाव से ही आपकी यात्रा सफल हो सकती है।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आएगी तब आपको क्रोध, झल्लाहट, दुर्घटना, चोट, अंग शैथिल्य, हृदय रोग, रक्तचाप इत्यादि पीड़ा देंगे। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट और विपत्ति के समय आप हनुमान की उपासना तथा आराधना करें, मंगलवार का व्रत करें और एक समय भोजन करें।

व्यवसाय

संगठन, संघ संचालक, नियंत्रक, चिकित्सा, ज्योतिष, धर्मोपदेशक, सैन्य विभाग, गोला-बारूद, आतिशबाजी का व्यवसाय, वकालत, औषधि विक्रेता, लौह तथा अन्य धातु संबंधी कार्य अथवा प्रभुता के कार्य। इन सबको अंक 9 में समाविष्ट कर सकते हैं।

व्रतोपवास

मंगलवार को भौम अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। यह व्रत पैतालीस मंगलवार या कम से कम इक्कीस मंगलवारों को करें। लाल वस्त्र धारण करें एवं लाल वस्तुओं का दान करें। यथाशक्ति मंगल के मंत्र का मूंगे की माला पर जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

आप मूंगा धारण करें। इसके न मिलने पर संगसितारा, लाल हकीक, लाल मून स्टोन धारण कर सकते हैं। इसे आप मंगलवार के दिन, शुक्ल पक्ष में, शुभ चौघड़िया मुहूर्त में, तांबा, सोना, मिश्रित धातु या चांदी में छह से नौ रत्ती का मूंगा बनवा कर, दाहिने हाथ की अनामिका उंगली में त्वचा को स्पर्श करते हुए धारण करें।

अनुकूल देवता

आप मंगल ग्रह की उपासना करें अथवा हनुमान जी की उपासना करने से आपके सभी प्रकार के अरिष्ट दूर होंगे। आप प्रति मंगलवार एवं शनिवार को सुंदर कांड का पाठ किया करें। साथ में हनुमान जी के मंत्र का नित्य एक सौ आठ बार मूंगे की माला पर जप किया करें। हनुमान जी का मंत्र इस प्रकार है : 'हं हनुमत रुद्रात्मकाय हुं फट्'। मंगलवार को एक समय भोजन करें तथा चने एवं मिष्ठान का प्रसाद हनुमान जी को अर्पण करने से आपके सभी कार्य बनेंगे।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए मंगल के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु, मंगल गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद, ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

भौम गायत्री मंत्र - ॐ अंगारकाय विद्महे शक्तिहस्ताय धीमहि तन्नो भौमः प्रचोदयात् ॥

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप मंगल का ध्यान करें, मन में मंगल की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें :

धरणीगर्भसंभूतं विद्युत्कांतिसमप्रभम्।
कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणमाम्यहम् ॥

ग्रह जप मंत्र

अशुभ मंगल को अनुकूल बनाने हेतु मंगल के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान सौ माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ क्राँ क्रीँ क्रौँ सः भौमाय नमः ॥ जप संख्या 10000 ॥

वनस्पति धारण

आप मंगलवार के दिन एक इंच लंबी अनंतमूल की जड़ ला कर, लाल धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधें या स्वर्ण या तांबे के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे

मंगल के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपके लिए प्रत्येक मंगलवार को एक बाल्टी या बर्तन में सौंठ, सौंफ, लाल चंदन, सिंगरफ, माल कांगनी और मौलसरी के फूल आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ मंगल के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आपको कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध, को मिला कर, चूर्ण कर किसी तीर्थ के पानी में मिला कर, भगवान का स्मरण करते हुए, स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

मंगल की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को मंगल के पदार्थ-तांबा, सोना, गेहूं, लाल वस्त्र, गुड़, लाल चंदन, लाल पुष्प, केसर, कस्तूरी, लाल वृषभ, मसूर की दाल, पृथ्वी, विद्रुम आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

मंगल को अनुकूल बनाए रखने हेतु मंगल यंत्र को भोज पत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर, सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में, शनिवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।